

आईआईटी का दूसरा दीक्षांत समारोह आज

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. कलाम देंगे छात्रों को डिग्री

इंदौर इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर का दीक्षांत समारोह गुरुवार को सिमरगेल स्थित आईआईटी परिसर में होगा। इसमें 2010-14 बैच के विद्यार्थियों को डिग्री व टॉपर्स को मैडल से नवाजा जाएगा। टॉपर छात्रों को दिया जाने



वाला मैडल सोने का रहेगा। मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रहेंगे। दीक्षांत समारोह से पहले व बाद में डॉ. कलाम आईआईटी के गेस्ट हाउस में ही विद्यार्थियों के बीच रहेंगे। विद्यार्थियों व स्टाफ ने बुधवार को समारोह की रीहर्स की। इस दौरान आईआईटी के चेयरमैन अजय पिरमल व डायरेक्टर प्रदीप माथुर भी मौजूद थे।

छोटे-छोटे भवनों में लगेगी आईआईटी की क्लासेस

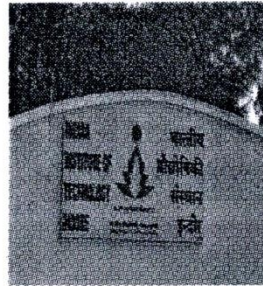
मुख्य भवन के निर्माण में देरी को लेकर बोर्ड बैठक में लिया निर्णय, इसी माह खाली होगा आईआईटी परिसर

इंदौर

cityreporter.indore@patrika.com

शुरुआत से छह साल बाद भी अपने कैम्पस का इंतजार कर रहे आईआईटी के छात्रों को अगले सत्र से सिमरगेल में पढ़ने का मौका मिल सकता है। बुधवार को आईआईटी बोर्ड की बैठक में जल्द से जल्द सिमरगेल कैम्पस में क्लास लगाने को लेकर निर्णय हुए। बैठक में तय हुआ कि आईआईटी के मुख्य भवन में हो रही देरी के चलते क्लास और लेबोरेटरी के लायक छोटे-छोटे भवन बनाकर यहां क्लास शुरू कर दी जाएं।

आईआईटी इंदौर की क्लासेस पीथमपुर ऑटो क्लस्टर और प्रशासनिक भवन डीएवीवी के आईआईटी परिसर में चल रही है। आईआईटी को भवन के लिए सिमरगेल में जगह उपलब्ध करवाई गई है। यहां अत्याधुनिक आईआईटी परिसर तैयार करने की योजना है। प्रबंधन की तमाम कोशिशों के बावजूद सिमरगेल कैम्पस में भवन निर्माण का काम आगे नहीं बढ़ पा रहा। इधर, आईआईटी प्रबंधन ने आईआईटी परिसर भी जून के अंत तक छोड़ने की तैयारी कर ली है। आईआईटी प्रबंधन के साथ आईआईटी ने दिसंबर 2015 तक का करार किया था लेकिन आने-जाने में लगने वाले



समय को देखते हुए पूरा कामकाज अब पीथमपुर ऑटो क्लस्टर के कैम्पस से ही चलाया जाएगा। एक की जगह क्लासेस लगने से जगह की कमी की दिक्कत झेलना होगी।

2 से 4 करोड़ लागत

बुधवार को आईआईटी चेयरमैन अजय पिरमल की उपस्थिति में हुई बोर्ड बैठक में निर्णय लिया गया कि मुख्य भवन के निर्माण में देरी होने से फिलहाल छोटे-छोटे भवन बनाकर सिमरगेल परिसर में ही क्लासेस शुरू करवाई जा सकती है। इन भवनों की लागत 2 से 4 करोड़ रुपये तक रहेगी। इस बीच आईआईटी के मुख्य भवन के निर्माण का काम भी जारी रहेगा। मुख्य भवन बनने के बाद पहले बने भवनों को आईआईटी के ही अन्य विभाग के रूप में तब्दील कर दिया जाएगा।